

LIVER

Disease

लिवर रोग

- FATTY LIVER, NASH
- दवाइयाँ जिनके खाने से होता है Liver Damage
- फाइब्रोसिस / सिरोसिस / कैंसर सम्बन्धी रोग
- लिवर सिरोसिस में एलोपैथी उपचार के साइड इफेक्ट
- लिवर सिरोसिस तथा लिवर सम्बन्धी रोगों के समाधान



FATTY LIVER, NASH

फैटी लीवर, एक ऐसी स्थिति है जिसमें Liver (यकृत) में अधिक मात्रा में Fat (वसा) जमा हो जाता है। ये दो तरह की होती है:

Alcoholic Fatty Liver - जब बहुत ज्यादा Alcohol (शराब) पीने से liver में fat जमा होने लगता है।

Non-Alcoholic Fatty Liver - जब बिना शराब के सेवन के भी Liver में fat जमा हो जाता है।

Fatty liver होने पर liver ठीक से काम नहीं कर पाता और इससे आगे चलकर liver की और बीमारियां भी हो सकती हैं, जैसे liver inflammation (सूजन), Fibrosis (फाइब्रोसिस), और cirrhosis (सिरोसिस)।

NASH (Non-Alcoholic Steatohepatitis) एक Progressive disease है, जिसका मतलब है कि ये धीरे-धीरे बढ़ती है और liver cirrhosis और hepatocellular carcinoma (लिवर कैंसर) जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। NASH होने पर liver में Inflammation और Damage होता है, जो समय के साथ बढ़ सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 20% NASH patients में Cirrhosis विकसित होता है। जिन NASH patients में Cirrhosis होता है, उनमें से 30%-40% Liver-related death का सामना कर सकते हैं। हाल ही में, NASH liver transplantation (लिवर ट्रांसप्लांटेशन) की तीसरी सबसे आम वजह बन गई है। इसका मतलब है कि NASH एक गंभीर स्थिति है और इसका समयरहते इलाज और Lifestyle modification बहुत ज़रूरी है।

FATTY LIVER होने के कारण

Primary : Obesity, Glucose Intolerance, Hypertriglyceridaemia, Low HDL Cholesterol, Hypertension

Researches कहते हैं की इन दवाइयों के इस्तेमाल से भी होता है Fatty Liver

Drugs : Glucocorticoids, Oestrogens, Tamoxifen, Amiodarone, Methotrexate, Diltiazem, Zidovudine, Valproate, Aspirin, Tetracycline



आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह आम समस्या बन गई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आयुर्वेद के पास इसका एक सम्पूर्ण और प्राकृतिक समाधान है? आयुर्वेद में फैटी लिवर को ठीक करने के लिए आहार चिकित्सा, पंचकर्म, आयुर्वेदिक हर्ब्स, और जीवनशैली में बदलाव जैसे उपायों का उपयोग किया जाता है। पंचकर्म, आयुर्वेद का एक प्रमुख शुद्धिकरण उपचार है, जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायक होता है। फैटी लिवर के लिए विरेचन (Purgating Therapy) और बस्ती (Medicated Enema) जैसे पंचकर्म उपचार अत्यंत प्रभावी माने जाते हैं। ये प्रक्रियाएँ यकृत की सफाई करती हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाती हैं, जिससे फैटी लिवर का उपचार संभव होता है। आयुर्वेद में कुछ विशेष हर्ब्स का उपयोग किया जाता है जो लिवर हेल्थ को सुधारने और फैटी लिवर का उपचार करने में सहायक होते हैं। भृंगराज (Eclipta alba), पुनर्नवा (Boerhavia diffusa) और कुटकी (Picrorhiza kurroa) जैसी हर्ब्स यकृत को डिटॉक्स करती हैं और उसकी कोशिकाओं को पुनर्जीवित करती हैं। ये हर्ब्स प्राकृतिक रूप से लिवर को मजबूत बनाते हैं और वसा के अधिक जमाव को रोकते हैं।

दवाइयाँ जिनके खाने से होता है Liver Damage

स्टैटिन दवाइयों से हो रही है "LIVER INJURY"

- Asymptomatic elevations of ALT - Cholestatic Hepatitis - Jaundice - Acute Liver Failure
- Chronic Liver Failure - Liver Fibrosis

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3983981/>



स्टैटिन दवाइयों के "LIVER पर होने वाले दुष्प्रभाव"

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4766774/>

स्टैटिन दवाइयों के "Liver व Kidney पर होने वाले विषैले प्रभाव"

<https://www.ahajournals.org/doi/full/10.1161/CIRCRESAHA.118.312782>



Psoriasis की अंग्रेज़ी दवाइयाँ हैं- लिवर के लिए खतरा

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK435704/>

Psoriasis में दी जाने वाली इस अंग्रेज़ी दवाई की कम मात्रा भी लिवर फ़ेल का कारण बन सकती है

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK556114/>



सामान्य मधुमेह दवाओं के दुष्प्रभाव "Liver" और "Kidney" पर

<https://www.diabetes.co.uk/features/diabetes-medication-side-effects.html>

THIAZOLIDINEDIONES के "Liver Failure & Stroke" जैसे साइड इफेक्ट्स

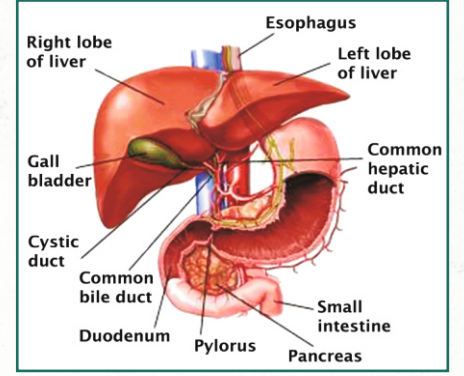
<https://www.diabetes.co.uk/diabetes-medication/thiazolidinediones.html>



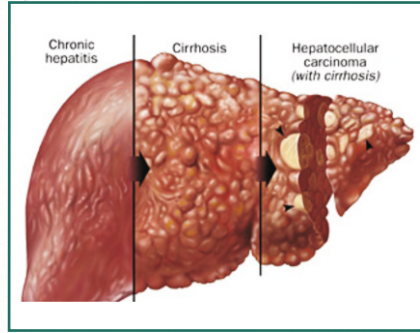
फाइब्रोसिस/ सिर्रोसिस/ कैंसर संबंधी रोग ..

Hepatomegaly, Hepatitis A.B.C., Jaundice, Haemochromatosis, Hepatic Cysts, Liver Fibrosis, Liver Cirrhosis, Liver Cancer etc.

वस्तुतः हमारे शरीर में होने वाली 80-90% बीमारियों का जनक हमारा लिवर ही है। इसका कारण हमारा अनुचित खान-पान, अनुचित रहन-सहन, सुस्त जीवन या संक्रमण, प्रदूषण और Low Immunity हो सकता है। परन्तु ये बीमारियां वास्तव में उतनी भी भयानक नहीं हैं जितना इनका प्रचार किया गया है। **आयुर्वेद में इन रोगों पर बहुत अनुसंधान हो चुका है।** महर्षि चरक के अनुसार जब पित्त वर्धक या गर्म व केमिकल, प्रिज़रवेटिव चीज़ों का अत्यधिक सेवन होता है तो बढ़ा हुआ पित्त रोगी के रक्त और मांस, धातु को प्रभावित करके इन बीमारियों को उत्पन्न करता है। लिवर



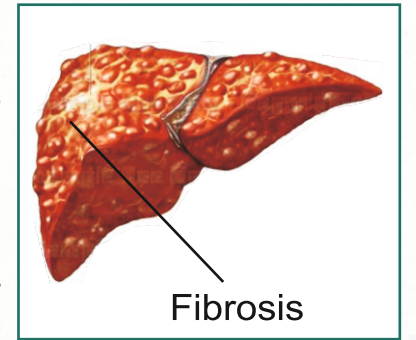
की कुछ बीमारियां जैसे- Hepatitis, दूषित खान-पान, संक्रमित खून चढ़ाने या सुई आदि द्वारा भी फैलता है। लिवर से संबंधित सभी बीमारियों में भूख कम या ज़्यादा, बैचेनी, नेत्र-मूत्र-त्वचा का पीलापन, कमज़ोरी, पाचन संबंधी विकार हो जाते हैं, लिवर कुछ बढ़ जाता है और दबाने पर दर्द भी होता है। **लिवर में**



Cholesterol/ Calcium/ Toxins, गंदगी के जमने पर Liver Damage हो जाता है। रोगी के रक्त में Serum Bilirubin, पेशाब में Urobilinogen की मात्रा बढ़ जाती है। पेशाब में Albumin और Bile Salts मिलते हैं तथा SGOT / SGPT बढ़ जाते हैं। रक्त में WBC की संख्या कम हो जाती है। Liver Weak होने पर ही पित्ते की थैली व लिवर में छोटी-बड़ी पथरी बन सकती है व पित्ते की थैली को कटवाना पड़ता है व उसके बाद बहुत सारी अन्य तकलीफों का सामना करना पड़ता है। ज़्यादातर

महिलाओं में गॉल ब्लेडर रिमूव करवाने के बाद बच्चेदानी (Uterus) को भी निकालना पड़ता है। इससे बचने के लिए फैटी लिवर होने पर उसी वक्त आयुर्वेद व पंचकर्म से उसका ईलाज शुरू करें। आयुर्वेद में काफी हद तक पित्ते की थैली की पथरी व लिवर का ईलाज बिना ऑपरेशन करना संभव है।

आचार्य जी कहते हैं कि मॉडर्न पैथी में लिवर की बिमारियों में न तो Antibiotics का असर होता है और न ही Steroids का। अभी तक दुनिया में एलोपैथी में लिवर को ठीक करने की कोई दवा नहीं है। आधुनिक विज्ञान में ऑपरेशन की या ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी जाती है और व्यक्ति जीवन भर के लिए मॉडर्न पैथी के जाल में, साइड इफ़ेक्ट में फँस जाता है। **परन्तु लिवर का उपचार केवल आयुर्वेदिक चिकित्सा व पंचकर्म में ही है। प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बनी औषधियां तथा हमारे खान-पान और जीवन शैली में महत्वपूर्ण बदलाव/ सुधार, उपवास, Intermittent Fasting, योग-प्राणायाम, ध्यान व चक्रों को बैलेंस करके ही लिवर, पित्त व पैनक्रियास के सभी रोगों को समूल रूप से ठीक किया जा सकता है।**



जीना-सीखो में हमारे पास सैंकड़ों ऐसे पेशेंट के विडियो, रिपोर्ट्स व Research Papers मौजूद हैं, जिनको गंभीर तकलीफें थी, अभी अब आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व सुखी जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

लिवर सिरोसिस में एलोपैथी उपचार के साइड इफेक्ट

Liver ट्रांसप्लांट के बाद हर समय रहता है रिजेक्शन का डर

After transplant they should adhere to strict dietary and treatment regimens, permitted level of physical activity to avoid transplant rejection symptoms.

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8205357/>



Ascitic टैपिंग के कॉमन Complications

Ascitic Fluid Leakage, Hemorrhage, Infection and Perforation

<https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25580114/#:~:text=The%20most%20common%20complications%20of,hemorrhage%2C%20infection%2C%20and%20perforation>



Ascitic टैपिंग Can leads to Hepatorenal Syndrome

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK435998/>



टैपिंग के बाद हो सकता है किडनी फंक्शन खराब

Paracentesis-induced circulatory dysfunction is a complication of large volume Paracentesis that leads to faster Reaccumulation of ascites, Hyponatremia, renal impairment and Short Survival.

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4140947/>

Albumin चढ़ाने के रिस्क

Albumin anaphylactoid reactions, Flushing, Urticaria, Fever, Chills, Nausea, Vomiting, Tachycardia and Hypotension can Occur. Edema and Fluid overload are common adverse effects, Depending on the Volume, Speed of the Infusion and the clinical Scenario. In sporadic cases, Anaphylactic shock may occur

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK435998/>



Rejection..!

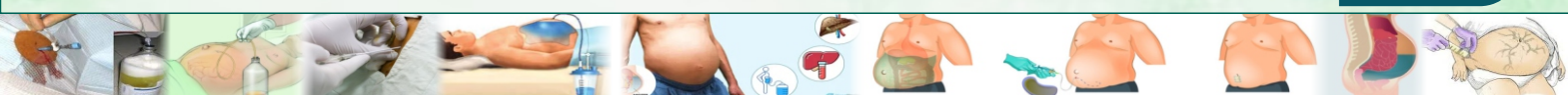
Acute cellular rejection ACR developed in 24–80% (mean 49%) of recipients among various studies

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5715482/>

Rejection..!

इन शोधों में देर से होने वाले akut अस्वीकृति के मामले 7-40% तक पाए गए।

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4737366/>



लिवर सिरोसिस में एलोपैथी उपचार के साइड इफेक्ट

Risks associated with ascites tapping

- Significant bleeding.
- Infection.
- Hypovolaemia and hypotension after large volumes of ascites are removed (over five litres).
- Human albumin solution should be given when large volumes of ascites are drained, to prevent this.
- Injury or perforation of organs.
- Paracentesis leak.

Post-paracentesis circulatory dysfunction: Withdrawal of 5 L or more of ascites can precipitate post-paracentesis circulatory dysfunction (PPCD), leading to:

- Hepato-renal syndrome
- Hyponatraemia.
- Acute kidney injury.
- Increased plasma renin activity.

Complications of Paracentesis--

- Persistent leakage of ascitic fluid at the needle insertion site.
- Abdominal wall hematoma or bleeding. ‣ Wound infection
- Perforation of surrounding vessels or viscera.
- Catheter laceration and loss in the abdominal cavity.
- Hepatorenal syndrome. ‣ Subcutaneous effusion due to ascitic fluid leakage.

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK435998/>



Ascitic टैपिंग के कॉमन Complications

The type of hemorrhagic event was specified in 60 out of 61 patients (98%). Abdominal wall hematomas were most common hemorrhagic complication (52%), followed by hemoperitoneum in 41% and pseudoaneurysm in 7%.

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4280650/>



लिवर सिरोसिस तथा लिवर संबंधी रोगों के समाधान

Fatty Liver, **Hepatomegaly**, Hepatitis A.B.C., **Jaundice**, Haemochromatosis, Hepatic Cysts, **Liver Fibrosis**, Liver Cirrhosis, **Liver Cancer** etc.

Ayurveda has been known to work wonders in treating liver diseases, which is a major cause of concern for many individuals worldwide. The **nectar-like herbs of Ayurveda** are said to be able to stop further **scarring of liver tissue** and even regenerate liver cells. In JEENA SIKHO Hospital (HiIMS), we treat patients of liver problems with the help of Langhan, Panchkarma Therapies, Naturopathy, Ayurvedic Medicine, Homeopathic Medicine and most important a Curative pH Balance Diet.



लिवर संबंधी समस्याओं में आयुर्वेद का उपचार

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4995860/#:~:text=Ascites%20and%20lower%20limb%20oedema%20were%20completely%20resolved.%20The,claimed%2C%20the%20values%20are%20almost%20stable%20without%20further%20deterioration>

पेट में पानी भरा, लिवर फेल (सिरोसिस) और आयुर्वेद में परिणाम

Study showed complex Ayurveda interventions through nitya virechana, oral medications, diet, improve the clinical profile, liver function, prothrombin time, INR parameters in patients of ascites with decompensated cirrhosis.

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8814404/#:~:text=Study%20showed%20complex%20Ayurveda%20interventions,cirrhosis%20and%20warrants%20further%20studies>



आइए मिलते हैं
जीना सीखो (HiIMS)
से ईलाज ले रहे व ले
चुके कुछ लोगों से
और जानते हैं कि क्या है
इनके अनुभव-



<https://www.youtube.com/watch?v=FNRrJtka7Tk>



<https://www.youtube.com/watch?v=-I503Fz7jw>

